

बीएचयू की सेवा से मिले सर्वश्रेष्ठ अनुभव : कुलपति

IV



जागरण संगठनदाता, वाराणसी : बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने कहा कि विवि में उन्हें बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। अपना कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर कुलपति आवास पर आयोजित विदाइ समारोह में प्रो. जैन ने कहा कि विवि से जुड़ना उनके लिए नया अनुभव था। विवि ने उन्हें अनेक बेहतरीन यादें और अनुभव दिए हैं, जिनसे उनके व्यक्तित्व का भी संवर्धन हुआ है।

प्रो. जैन ने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए नए अवसर सृजित करने, शिक्षकों को सशक्त बनाने व विवि के सदस्यों के विकास के लिए संसाधन उपलब्ध कराने की आवश्यकता को रेखांकित किया। कुलगुरु प्रो. संजय कुमार ने कहा कि प्रो. सुधीर जैन ने विवि को अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया,

कुलपति प्रो. सुधीर जैन के विदाइ समारोह में पुष्प देकर अभिवादन करते प्राफेसर

जिसके नतीजे विश्वविद्यालय को लंबे समय तक लाभान्वित करेंगे। एसएम सिंह, दक्षिणी परिसर के कुलसचिव प्रो. अरुण सिंह ने बताया कि प्रतिभाओं की पहचान कुलपति जी की विशेषता रही है। कला संकाय के प्रमुख प्रो. माया शंकर पांडेय, प्रो.

आचार्य प्रभारी प्रो. वीके मिश्रा, आइएमएस के निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने अपने विचार प्रकट किए। कार्यकाल में आयोजित तीन दीक्षा समारोहों की एलबम भैंट की गई।

बीएचयू की सेवा के दौरान प्राप्त हुए सर्वश्रेष्ठ अनुभव : कुलपति ५



वाराणसी (एसएनबी)। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने कहा है कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में बत्तीर कुलपति कार्य करना उनके लिए काफी कुछ सीखने का अवसर रहा। विश्वविद्यालय में अपना कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर कुलपति आवास पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रो. जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय से जुड़ना उनके लिए पूरी तरह एक नया अनुभव था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों से मिले अपने सहयोग व सहेज ने उन्हें बीएचयू के विकास के लिए कार्य करने की ऊझा व शक्ति दी, जिसके लिए वे सदा आभारी रहेंगे। कुलपति जी ने कहा कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय व इसके सदस्यों में अपार क्षमता व संभावनाएँ हैं, अगर आवश्यकता है तो उसे प्रोत्साहन देने तथा नए अवसर उपलब्ध कराने की। प्रो. जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय ने उन्हें अनेक बेहतरीन यादें और अनुभव दिये हैं, जिनसे उनके व्यक्तित्व का भी संवर्धन हुआ है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो. संजय कुमार ने कहा कि प्रो. सुधीर कुमार जैन ने विश्वविद्यालय को अनुकरणीय नेतृत्व

बीएचयू और बनारस में मिली जीवन की सबसे अच्छी यादें : प्रो. जैन

कार्यकाल पूर्ण होने पर आयोजित किया गया समारोह

प्रदान किया, जिसके नवीजे विश्वविद्यालय को लंबे समय तक लभान्वित करेंगे। कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह ने बताया कि प्रतिभाओं की पहचान कुलपति जी की विशेषता रही है। उन्होंने कहा कि प्रो. जैन असाधारण सौच के व्यक्ति है और यह उनकी कार्यशैली में भी झिलकता है। इस दौरान कला संकाय के प्रमुख प्रो. माया शंकर पाण्डेय, विज्ञान संकाय के पूर्व प्रमुख प्रो. एसएम सिंह, बरकछा रिथ्ट दक्षिणी परिसर के आचार्य प्रभारी प्रो. वीके मिश्र, चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसएम संखवार, कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक तथा अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र के समन्वयक प्रो. एसवीएस राजू, महिला महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रीता सिंह, शिक्षा संकाय की प्रमुख प्रो. अंजलि वाजपेयी, कला संकाय में वरिष्ठ आचार्य प्रो. मुकुल राज मेहता ने भी अपने विचार रखे तथा विश्वविद्यालय के विकास हेतु कुलपति जी की प्रतिबद्धता को बेजोड़ बताया। इस दौरान कुलपति के कार्यकाल में पांच दीक्षांतों के लिए आयोजित तीन समारोहों की एलबम कुलपति को भेंट की गई। विश्वविद्यालय के अनेक सदस्यों ने प्रो. जैन को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

बीएचयू की सेवा के दौरान प्राप्त हुए सर्वश्रेष्ठ अनुभव-प्रोफेसर सुधीर कुमार जैन

कार्यकाल पूर्ण होने पर आयोजित समारोह में वाइस चांसलर ने बताया बनारस में बीते पल को जीवन की सबसे अच्छी यादें

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर सुधीर कुमार जैन ने कहा है कि विश्वविद्यालय में बतौर वाइस चांसलर कार्य करना उनके लिए काफी

था। उन्होंने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए नए अवसर सृजित करने, शिक्षकों को सशक्त बनाने, तथा विश्वविद्यालय के सदस्यों के विकास हेतु

हमे अपने कार्य के नीजे लघु अवधि में भले ही न दिखाई दें, लेकिन वह दीर्घावधि में अपने संस्थान की प्रगति के रूप में परिलक्षित होते हैं। कार्यक्रम में रेकर प्रोफेसर संजय कुमार, रजिस्ट्रार प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह, कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक तथा अंतरराष्ट्रीय केन्द्र के संचायक प्रोफेसर एस. वी. एस. राजू, चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो.

संकाय के पूर्व प्रमुख प्रोफेसर एस. एम. सिंह महिला महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर रीता सिंह, शिक्षा संकाय की प्रमुख प्रोफेसर अंजलि वाजपेयी ने भी विचार रखे तथा विश्वविद्यालय के विकास हेतु वाइस चांसलर की प्रतिबद्धता को बेजोड़ बताया। इस दौरान वाइस चांसलर के कार्यकाल में पाच दीक्षांतों के लिए आयोजित तीन



कुछ सीखने का अवसर - रहा। विश्वविद्यालय में अपना तीन साल का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर सोमवार को बीसी आवास पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रोफेसर जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय से जुड़ा उनके लिए पूरी तरह एक नया अनुभव

संसाधन उपलब्ध कराने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने बीएचयू सदस्यों का आह्वान किया कि वे सकारात्मक ऊर्जा व उम्मीद के साथ अपने कार्य को निष्ठापूर्वक करें तथा यह सुनिश्चित करें कि उनका कार्य संस्थान की उन्नति की दिशा में हो। उन्होंने कहा कि

बीसी की बिदाई, छात्रों का प्रदर्शन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन छात्रों ने उनके आवास के बाहर धरना-प्रदर्शन के साथ उनका पुतला जलाने की कोशिश की। इसे रोकने के लिए सुरक्षा कर्मियों की छात्रों से नोकझोक भी हुई। इससे खफा छात्रों ने नरेबाजी की। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल रहा। वही दूसरी ओर वाइस चांसलर को डनके कार्यालय में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और अधिकारियों ने उन्हें बिदाई दी। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि अपने तीन साल के कार्यकाल में वाइस चांसलर ने छात्रों के हित में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। छात्रों की मांगों को दरकिनाम कर दिया गया। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय की क्रांतिकारी परिषद गठित नहीं हुई।

एस. एन. संख्यावार, कला संकाय के प्रमुख प्रोफेसर माया शंकर पाण्डेय, बरकछा स्थित दक्षिण परिसर के आचार्य प्रभारी प्रोफेसर वी. के. मिश्र, विज्ञान संकाय की एलबम उनको भेंट की गई। कार्यक्रम में संस्थानों के निदेशक, संकाय प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीएचयू कुलपति का कार्यकाल पूरा, रेक्टर को वार्ज

1 बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने अपना तीन वर्ष का कार्यकाल सोमवार को समाप्त कर लिया। सोमवार शाम को उन्होंने रेक्टर प्रो. संजय कुमार को वार्ज दे दिया।

छह जनवरी 2022 को प्रौ. सुधीर कुमार जैन बने थे वीरी, नए कुलपति के नाम की घोषणा का इंतजार, कई नामों पर अटकले

बीएचयू कुलपति का कार्यकाल पूरा हुआ, रेवटर को सौंपा चार्ज

बाराणसी, विष्ट - संवाददाता। बीएचयू के कुलपति प्रौ. सुधीर कुमार जैन ने अपना तीन वर्ष का कार्यकाल सेमवार को समाप्त कर लिया। सेमवार को अपने कार्यकाल के अंत में दिन बाद कुलपति आवास में कामकाज निपटा। शाम को उड़ोने रेस्टर प्रौ. संजय कुमार को बार्चे दिया। बीएचयू में नए कुलपति के नाम की घोषणा की तेकर अब भी हैंतजार जारी है। आईआईटी गार्डनर के निदेशक प्रौ. सुधीर कुमार जैन ने 6 जनवरी 2022 को बीएचयू के कुलपति का कामवार संभाला था। अपने कार्यकाल के दैरण में जैन ने छात्रों के लिए नई आवश्यकता, हास्पिल सुविधाओं में बदलावी, शोध और अनुसंधान पर खसा जार दिया। उद्दीपन प्रतिवान योजना की शुरुआत की और इंटरट्यूट ऑफ एम्बेस योजना के अवधार भी आंकड़े कीमती और अंत अंत तक लेकर उपर अरोप खाली। कुलपति की विषयक घोषणा को बार्चे काम कराया। हालांकि इस दौरान अरोप-प्रत्यारोप और विवादों से भी उनका नाम इहां महिला महाविद्यालय में इसर पर्दा, एजीसीटिव

मिली जीवन की सबसे अच्छी यादें: प्रौ. जैन

बाराणसी कार्यकाल के अंतिम दिन बीएचयू के कुलपति प्रौ. सुधीर कुमार जैन ने कहा कि बीएचयू और बनासपुर से नई जीवन की सबसे अच्छी यादें मिली तोन तर्ह का कार्यकाल पूरा होने पर कुलपति आवास में अपनी भावनाएं बदल दी।

इस दौरान रेस्टर प्रौ. संजय कुमार, कुलपति भिलाई प्रौ. अरुण कुमार तिहाला संकाय प्रौ. मायशकुर पाठेय, विज्ञान संकाय के पूर्व प्रभु प्रौ. एसम सिंह, दक्षकाल परिसर के अवधी प्रभारी प्रौ. दीकें प्रिया, विज्ञान संकाय के निदेशक प्रौ. एसन संखेवार आदि हैं।



कुलपति आवास में संबोधित करते सुधीर कुमार जैन का कार्यकाल पूरा होने पर आवंटित विवाह समारोह में उड़े सम्मानित करते सुधीर कुमार जैन का प्रतिवान।

बीएचयू के लीगल सेल का पुनर्जन्म

बाराणसी कार्यकाल के अंतिम दिन कुलपति प्रौ. सुधीर कुमार जैन ने बीएचयू के लीगल सेल का पुनर्जन्म किया। पिछले दिनों प्रौ. रजनीश कुमार सिंह को लीगल सेल सम्बन्धक बोला गया था। सेमवार को कुलपति ने प्रौ. अरुण कुमार और अनिल कुमार शार्प को लीगल सेल का सदस्य नियुक्त किया।

कुलपति का कानूनकाल पूरा होने के बाद अब बीएचयू में अपने कुलपति के एक अधिकारी और अद्याईर्दी कानूनके एक विशेष प्रोफेसर का नाम चयन में बीएचयू के विभिन्न संस्थानों ने नियन्त्रकों के आगले कुलपति के लिए आवेदन की थी। आवेदन की वाचा है।

के रूपमें प्रजावाक के द्वारा विवादात्मक

काउंसिल, नियुक्तियों और नियमों को लेकर उपर अरोप खाली। कुलपति पर बीएचयू प्रतिवान से दूसरे बनाए रखने का नाम चर्चा का विषय है। शिक्षा मंत्रालय से इस संबंध में कोई सुचना जारी नहीं हो सकी है। अगले कुलपति आवेदन की वाचा है।

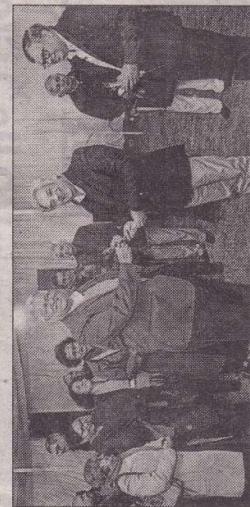
छह जनवरी 2022 को प्रौ. सुधीर कुमार जेन बने थे वीसी, नए कुलपति के नाम की घोषणा का इंतजार, कई नामों पर अटकाएं

बीएचयू कुलपति का कार्यकाल पराहुआ, रेवटर को सौंपा चार्ज

वाराणसी, बिहार संवाददाता।
बीएचयू के कुलपति प्रौ. सुधीर कुमार जेन ने अपना नीन वर्ष का कार्यकाल सामाजिक को समाप्त कर लिया। अमेवार को अपने कार्यकाल के अंतिम दिन कुलपति आवास में कामकाज बढ़ाव कुलपति आवास में कामकाज निपटाया। शाम को उद्दीपन रेस्टर में संजय कुमार को चार्ज दिया। बीएचयू में एक कुलपति के नाम की घोषणा को लेकर अब भी हंडजार जारी है।

आईआईटी गार्डनर के निदेशक प्रौ. सुधीर कुमार जेन ने 6 जनवरी 2022 को बीएचयू के कुलपति का कार्यपालक सभागत में जेन ने छारों के लिए नई

छान्तवृत्तयां, हॉस्टल संविधानों में बदलाव, शोध और अनुसंधान पर खासा जोर दिया। उद्दीपन प्रतिवन योजना की शुरुआत की ओर इंटरटूट आरप-प्रत्यारोप अंतर्गत भी एमीनेस योजना के अंतर्गत भी



कुलपति आवास में सोमवार शाम 6 बजे, सुधीर कुमार जेन का कार्यकाल पूरा होने पर आयोजित विवाह समारोह में उद्दीपन सभागत का शुभारंभ होता है।

बीएचयू के लीगल सेल का पुनर्गठन

वाराणसी कार्यकाल के अंतिम दिन कुलपति प्रौ. सुधीर कुमार जेन ने बीएचयू के लीगल सेल का पुनर्गठन किया। गिरजे दिनों में, जेनीश कुमार सिंह को लीगल सेल समन्वयक बनाया गया था। सोमवार को कुलपति ने प्रौ. आरके मुरली और बै. अमिल कुमार मध्य को लीगल सेल का सदस्य नियुक्त किया।

कफी काम कराया। हालांकि इस देवेलपर उनका नाम रहा। महिला महाविद्यालय और नियमितों के लिए इस देवेलपर का नाम रहा। महिला महाविद्यालय लेफ्टर उनपर आरोप मौलगी।

मिली जीवनकी सबसे
अच्छी यादः प्रौ. जैन

वाराणसी। कार्यकाल के अंतिम दिन बीएचयू के कुलपति प्रौ. सुधीर कुमार जेन ने कहा कि शीघ्र और बासमें से उद्दीपन की समस्या अब तक नहीं जेन की तर्ज का कार्यकाल तूरा होने पर कुलपति आवास में उद्दीपन की शीघ्रता और बासमें आयोजित विवाह समारोह में उद्दीपन अपनी शत्रुओं द्वारा खेल की।

इस देवेलपर पर भी अलग कुमार, कुलसाहित यो. अलग कुमार तिथि,

कल संकेत प्रभु ग्रै. मायाशक्ति पाठ्य, विज्ञान सेक्यूरिटी प्रभु ग्रै. मायाशक्ति आयोजित प्राप्तीयों द्वारा विकल्प विज्ञान सेक्यूरिटी प्रभु. प्रस्तुत संखार आदि रहे।

कार्यविभाग, नियुक्ति और नियमितों के लिए इस देवेलपर का नाम रहा। महिला महाविद्यालय लेफ्टर उनपर आरोप मौलगी।

बीएचयू में मिला सर्वश्रेष्ठ अनुभवः कुलपति ~

वाराणसी। कुण्डलिपि ग्रे. सुधीर कुमार हिंदू
द्वैन ने कहा कि काशी किंवितालय में वरीये कुण्डलिपि कार्य
करना। उनके लिए कामी कुछ सीखेने का
अवसर हो। विश्वविद्यालय में अपना
कार्यकारक पूरा होने पर कुण्डलिपि आवास
प. प. संग्रहालय को आयोजित समारोह के
स्वाभाविक करते हुए ग्रे. द्वैन ने कहा कि
विश्वविद्यालय से जुड़ा उनके लिए
पूरी तरह एक नया अनुभव था। उन्होंने
कहा कि विश्वविद्यालय परिवर्त के
सदस्यों से मिले अपार सहयोग व सह
न उन्हें बंधन के लिए कार्य
करने की ऊटी व शर्ती दी, जिसके
लिए वे सब आशारी रहेंगे। कुण्डलिपि ग्रे.

विदाई में बोले
कालपति के रूप में कार्यकाल
प्राप्ति होने पर विश्वविद्यालय में
मारोह का आयोजन
प्राप्ति एवं परिवार के सदस्यों ने
जैन के नेतृत्व व धोगदान
नो बताया अनुकरणीय
क्षमता के सदस्यों में अपर क्षमता
प्राप्ति होना चाहिए, अगर आवश्यकता है
उपराजन देने तथा नए अवलोकन
प्राप्ति के लिए ग्रेटसाइन देने का अवलोकन करने की प्रो. उन्नेन कहा

विश्वविद्यालय ने उन्हें अनेक बहलीन किया कि वे संकारकत्वक ऊर्जा व प्रमुख कर्ता हैं। के साथ अपने कर्म को नियन्त्रणवर्धक कर्ता हों और अनुभव दिया है, जिससे उनके बाहित का भी संवरप हुआ है। उन्होंने व्यक्तित्व की उत्तमता की दिया है। संस्थान की उत्तमता की दिया है। उद्देश्य कहा कि, विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यालियों के संवरपणापाण विकास के उन्नति का मार्ग प्रशस्त करना है और उन्होंने इसी भवन के साथ अपनी भूमिका निभाने का प्रयत्न किया। विद्यालियों की आकाशशांति को पूर्ण करने के लिए एन-एवर सुनित करना, शिक्षकों को संशakt बनाने तथा विश्वविद्यालय के सदस्यों के विकासके लिए समाजम् उपलब्ध करने को लिए समाज तक आवश्यकता को देखा गया। आवश्यकता वाचाचृ० सदस्यों का आह्वान उन्होंने बोला चृ० सदस्यों का आह्वान कराया। कुलसमाजिक प्र० अशु कुमार सिंह ने बताया कि प्रतिष्ठानों को लाभान्वित करें। कुलसमाजिक प्र० अशु लाभान्वित करें।

卷之三

卷之三



आम जीवन को सरल और बेहतर करेगा सांख्यिकी

वाराणसी। बीएचयू के सांख्यिकी विभाग की ओर से बैंजियन अवधारणा पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान और साहित्य के विकास पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम की थीम थी- रीसेट

डेवलोपमेंट्स इन द टेक्निक्स ऑफ बैंजियन पैराडाइम थी। विज्ञान संस्थान के डीन प्रो. सत्याशु कुमार उपाध्याय और सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष प्रो. ज्ञान प्रताप सिंह ने संबोधित किया। इस दौरान डॉ. आकांक्षा गुप्ता, डॉ. रीमा शर्मा और सहकर्मी रहे। ब्यूरो



अतिथि का सम्मान करते प्रो. ज्ञान प्रताप। स्वयं

सूखा प्राइमिंग से बढ़ाई गेहूं की प्रतिरोधक क्षमता

वाराणसी। बीएचयू के डॉ. प्रशांत सिंह और टीम ने सूखा प्राइमिंग विधि से गेहूं की फसल की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर शोध किया है। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका फिजियोलॉजिकल एंड मॉलिव्युलर प्लांट ऐथोलॉजी ने यह शोध प्रकाशित किया है। इस अध्ययन में दिखाया गया है कि नियंत्रित जल तनाव पर आधारित सूखा प्राइमिंग तकनीक गेहूं में बाइपोलारिस सोरेकिनियाना नामक कवक के कारण होने वाले स्पॉट ब्लॉटच नामक गंभीर रोग से लड़ने की क्षमता को बढ़ाती है।

वसंत कन्या कॉलेज छात्राओं को बनाएगा प्लेबैक सिंगर

52

मार्ई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू में म्यूजिक की छात्राओं को फ़िल्म इंडस्ट्री की तर्ज पर स्नातक की पढ़ाई कराई जाएगी।

कमच्छा के वसंत कन्या महाविद्यालय में सितार और गायन में चार साल स्नातक बैचलर ऑफ परफॉर्मेंस आर्ट (बीपीए) कोर्स शुरू किया जाएगा। दोनों कोर्स के सिलेबस को नई शिक्षा नीति और बॉलीवुड के आधार पर तय किया गया है। कलासिकल म्यूजिक टीचर के साथ ही प्लेबैक सिंगर, म्यूजिक कंगोजर, म्यूजिक डायरेक्टर, रिकॉर्डिंग आर्टिस्ट, रेडियो जॉकी, म्यूजिक फ्रिटिक और इंस्ट्रुमेंट लिस्टर भी बनाई जाएगी।

स्टेज शो, फ़िल्म इंडस्ट्री के म्यूजिक प्रोडक्शन के लिए छात्राएं तैयार होंगी। कोर्स के प्रस्ताव में बताया गया है कि छात्राओं को फ़िल्म और एलबम में मौका भी दिलाया जाएगा।

कलासिकल म्यूजिक को बड़े स्टेज पर परफॉर्म करने के साथ ही युवाओं में पॉपुलर कराने की तकनीक सिखाई जाएगी। कोर्स

4 साल का बीपीए कोर्स, 20 हजार होगी फ़ीस, स्टेज परफॉर्मेंस की तकनीक भी सीखेंगी छात्राएं

हिंदी-अंग्रेजी में कक्षाएं

यह कोर्स आठ सेमेस्टर का होगा। हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में कक्षाएं चलेंगी। म्यूजिक के लिए दो इंटर्नल और दो एक्सटर्नल फैकल्टी नियुक्त की जाएगी। दोनों कोर्स में 20-20 सीटें होंगी। सालाना फ़ीस 20 हजार रुपये है। सेमेस्टर परीक्षा में शामिल होने के लिए 75 फ़ीसदी उपरियति अनिवार्य होगी। कोर्स में प्रवेश की योग्यता इंटरवीडेट है। 50 प्रतिशत अंक होना चाहिए। जरूरी नहीं है कि इंटरवीडेट में म्यूजिक की पढ़ाई की हो। प्रैक्टिकल में 55 फ़ीसदी अंक भी जरूरी है।

को ऐसे डिजाइन किया गया है कि छात्राएं म्यूजिक रिसर्चर, म्यूजिक थ्रेपिट और कल्चरल डिप्लोमेट भी बन सकती हैं। कोर्स के प्रस्ताव को तीन जनवरी की एकेडमिक कार्डिनल के बैठक में प्रस्तुत किया गया था। अभी मुहर लगनी बाकी है।

‘वीसी के घर में फेयरवेल पार्टी, बाहर छात्रों ने दिखाए जूते, 300 गार्ड तैनात

प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन माहौल तनावपूर्ण, पुतला जलाने की कोशिश की

मार्ड सिटी रिपोर्टर

बाराणसी। बीएचयू में कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन पूरे परिसर में तनावपूर्ण माहौल रहा।

सोमवार देर शाम वीसी आवास में अंदर फेयरवेल पार्टी चलती रही। वहाँ, बाहर छात्रों ने जूते दिखाए। इसकी वजह से तीन थानों की पुलिस फोर्स, एक कंपनी पीएसी और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के 300 सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया। वहाँ, कुलपति समेत 4 लोगों के खिलाफ प्रो. ओमशंकर ने लंका थाने में तहरीर दी है।

एजीक्यूटिव काउंसिल का गठन न होने छात्रों पर केस, प्रबोशन में गडबड़ी और अराजकता का आरोप लगाकर छात्रों ने हंगामा किया। वीसी के कार्यकाल के अंतिम दिन दोपहर से लेकर शाम तक वीसी लॉज के बाहर कुलपति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और पुतला फूंकने की कोशिश की गई।

देर शाम वीसी आवास में म्यूजिकल फेयरवेल पार्टी शुरू होने से ठीक पहले एलडी गेस्ट हाउस चौराहे पर प्रदर्शनकारी 10 छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प और हथापाई हुई। इस दौरान जमकर नरेबाजी भी की गई। वर्तमान के साथ ही निष्कसित छात्र भी शामिल रहे। शाम 4 बजे तक पूरे कैपस के 500 मीटर क्षेत्र में सुरक्षाकर्मी तैनात कर आवाजाही रोक दी गई थी।

अब रेक्टर प्रो. संजय कुमार होंगे कार्यवाहक कुलपति

बीएचयू में आज से रेक्टर प्रो. संजय कुमार कार्यवाहक कुलपति का चार्ज संभालेंगे। वहाँ, नए कुलपति का नाम तय हो गया है। नाम का खुलासा जल्द किया जाएगा। पिछले चार साल से बिना एजीक्यूटिव काउंसिल के चल रहे बीएचयू को कब तक उसका स्थाई कुलपति मिलेगा, कैपस के लोगों का यही सबसे बड़ा सवाल है।

3 थानों की पुलिस और पीएसी भी पहुंची, वीसी समेत चार के खिलाफ लंका थाने में तहरीर



मुंह पर रुमाल बांधकर आए प्रदर्शनकारी

बीचबचाव करने पहुंची एसीपी नताशा गोयल और लंका थानाध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा से भी छात्रों की 20 मिनट तक बहसबाजी हुई। पुतला फूंकने आए छात्रों ने रुमाल से मुंह बांध रखा था। पुलिस फोर्स और पीएसी आते ही छात्र हॉस्टलों में लौट गए। विरोध के बीच देर शाम तक रेक्टर, रजिस्ट्रार सभी डीन, अधिकारी और डायरेक्टर ने कुलपति को गुलदस्ता और बुके भेंट कर उनके कार्यकाल का बधान किया।

छात्रों-सुरक्षाकर्मियों के बीच नोकझोंक। संवाद जूता दिखाकर विरोध जताता छात्र। संवाद

आगे चलकर लंबी अवधि तक दिखेंगे मेरे काम : वीसी



बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन को फूल देते प्रो. सौरभ सिंह। संवाद

बाराणसी। अपने कार्यकाल के अंतिम दिन कुलपति आवास में फेयरवेल के दौरान बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर जैन ने कहा कि उन्हें किए गए कार्यों का दीर्घकालिक फायदा होगा। मेरी इस लघु अवधि में कार्य के नतीजे भले ही न दिखाई दें, लेकिन वह दीर्घावधि में संस्थान की प्रगति के रूप में दिखेंगे। प्रो. जैन ने कहा कि बीएचयू और बनारस में जीवन की सबसे अच्छी यादें मिलती। रेक्टर प्रो. संजय कुमार ने कहा कि प्रो. जैन असाधारण सोच के व्यक्ति हैं। पांच दीक्षांत के तीन समारोह का एलबम कुलपति को भेंट किया गया। इस दौरान प्रो. मुकुल राज मेहता, प्रो. माया शंकर पांडेय और जूद रहे। मंगलवार को प्रो. सुधीर जैन कैपस में विश्वनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कर सकते हैं। मंदिर में तैयारियां की गई हैं। व्यूरो

वीसी लाज पर हंगामा, छात्रों ने फूंका पुतला

जासं, वाराणसी : बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन सोमवार को छात्रों ने उनका पुतला कुलपति आवास पर फूंका। जमकर नरेबाजी की। भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। एक छात्र ने जूते भी दिखाए।

छात्रों का आरोप है कि बिना तथ्य एवं साक्ष्य के उनके जीवन के साथ

कुलपति ने खिलवाड़ किया है और निष्कासित कर दिया। छात्रों एवं प्राक्टोरियल बोर्ड के जवानों के साथ धक्कामुक्की की गई। छात्र अभियंक उपाध्याय ने कहा कि विवि में बिना इसी की बैठक के कार्यकाल पूरा किया, छात्रों को मानसिक और अकादमिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

TV



बीएचयू स्थित रुड़या चौराहे पर कुलपति का पुतला फूंकने को लेकर सुरक्षाकर्मियों के साथ विद्यार्थियों की नोकझोंक हुई • जगरण

वीसी आवास में फेयरवेल पार्टी

बाहर छात्र-सुरक्षाकर्मियों में भिड़ंत

३ थानों की पुलिस-पीएसी और ३०० सुरक्षागार्ड तैनात

बाराणसी। बीएचयू में कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन परे परिसर में तनावपूर्व माहौल रहा। सोमवार देर शाम वीसी आवास के आसपास तीन थानों की फोर्स, एक कंपनी पीएसी और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के ३०० सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया। दोपहर में छात्रों और गार्डों के बीच पुतला रेस भी देखने को मिली। इसके साथ ही छात्रों ने प्रदर्शन के दौरान जूते भी दिखाए। एजीक्यूटिव काउंसिल का गठन ने होने पर छात्र नाराज थे।

वीसी के कार्यकाल के अंतिम दिन दोपहर से लेकर शाम तक लॉज के बाहर कुलपति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और पुतला फूंकने के कई प्रयास हुए। देर शाम वीसी आवास में म्यूजिकल फेयरवेल पार्टी शुरू होने से ठीक पहले एलडी गेस्ट हाउस चौराहे पर प्रदर्शनकारी छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प और हाथापाई हो गई। बोर्ड के गार्ड ने



बीएचयू में वीसी का पुतला फूंकने पहुंचे छात्रों की सुरक्षाकर्मियों से नोकझोंक।

प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन कैंपस में रहा तनावपूर्ण माहौल, छात्रों ने दिखाए जूते

पुतला लेकर एक-दूसरे को दौड़ाते रहे छात्र-गार्ड

दोपहर १२ बजे के बाद कुलपति आवास के बाहर छात्रों और गार्डों के बीच १० मिनट तक पुतला रेस देखने को मिला। १० छात्रों ने कुलपति आवास का घेराव किया। कुलपति का पुतला फूंकने की कोशिश की तो प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सुरक्षाकर्मियों ने दौड़ लगा दी। इस दौरान जमकर नरेबाजी भी की गई। वर्तमान के साथ ही डिबार छात्र भी शामिल रहे। शाम ४ बजे तक पूरे कैंपस के आधा किलोमीटर एरिया में चप्पे चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात कर आवाजाही रोक दी गई थी। कुलपति आवास के चारों ओर सारे रास्ते ब्लॉक कर दिए गए हैं।

छात्रों को रोककर जब पुतला छीनने २० मिनट तक झड़प चलती रही। की कोशिश की गई तो सड़क पर

विरोध के बीच फेयरवेल में कुलपति आवास पहुंचे अधिकारी

बीवबचाव करने पहुंचे लंका थानाध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा और एसीपी नताशा गोयल से भी छात्रों की २० मिनट तक बहसबाजी हुई। पुतला फूंकने आए छात्रों ने रुमाल से मुंह बांध रखे थे। पुलिस फोर्स और पीएसी आते ही छात्र हॉस्टलों में लौट गए। विरोध के बीच देर शाम तक रेक्टर, रजिस्ट्रार सभी डीन, अधिकारी और डायरेक्टर ने कुलपति को गुलदस्ता और बुके भेंट कर उनके कार्यकाल का बखान किया।

वीसी लॉज के सामने छात्रों का हंगामा, रही चौकसी 6



वीसी लॉज के बाहर सोमवार को प्रदर्शन करते वीएचयू के छात्र। • हिन्दुस्तान

बाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता।

वीएचयू के कुलपति प्रो. मुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन सोमवार को छात्रों ने कुलपति आवास के बाहर हंगामा किया। दोपहर के छात्रों के एक समूह ने पुतला फूंकने की कोशिश की तो शाम को विदाइ समारोह की सूचना पर सैकड़ों छात्र जुट गए। हालांकि प्राक्टोरियल बोर्ड के साथ कई थानों की पुलिस और पीएसी ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी।

सोमवार की दोपहर छात्रों का एक समूह नारेबाजी करता कुलपति आवास के सामने पहुंचा। छात्रों ने कुलपति का प्रतीक पुतला भी लिया था। इस दौरान आवास के बाहर जुते दिखाए गए और नारेबाजी की। इससे पहले कि छात्र पुतले को आग लगाते, प्राक्टोरियल

■ दोपहर में छात्रों ने किया

पुतला दहन का प्रयास

■ शाम को जुते छात्रों को थानों
की फोर्स ने वापस भेजा

बोर्ड के सुरक्षाकर्मियों ने पुतला छीन लिया। इस दौरान छात्रों से नोकझोंक और धक्कामुक्की हुई। शाम को कुलपति आवास में विदाइ समारोह की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में छात्र फिर से बहां जुट गए। हंगामे की आंशिका से कुलपति आवास के बाहर पहले से पीएसी, तीन थानों की फोर्स और सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया गया था। पुलिस ने एमएमली चौराहे से, लेकर इटरनेशनल हास्टल चौराहे पर बैरिकेडिंग कर दी थी।

वीसी लॉज के सामने छात्रों का हंगामा, रही चौकसी 4



वीसी लॉज के बाहर सोमवार को प्रदर्शन करते बीएचयू के छात्र। • हिन्दुस्तान

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल के अंतिम दिन सोमवार को छात्रों ने कुलपति आवास के बाहर हंगामा किया। दोपहर के छात्रों के एक समूह ने पुतला फूंकने की कोशिश की तो शाम को विदाई समारोह की सूचना पर सैकड़ों छात्र जुट गए। हालांकि प्रॉफेसरियल बोर्ड के साथ कई थानों की पुलिस और पीएसी ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी।

सोमवार की दोपहर छात्रों का एक समूह नारेबाजी करता कुलपति आवास के सामने पहुंचा। छात्रों ने कुलपति का प्रतीक पुतला भी लिया

था। इस दौरान आवास के बाहर जूते दिखाए गए और नारेबाजी की। इससे पहले कि छात्र पुतले को आग लगाते, प्रॉफेसरियल बोर्ड के सुरक्षाकर्मियों ने पुतला छीन लिया। इस दौरान छात्रों से नोकझोक और धक्कामुक्की हुई। शाम को कुलपति आवास में विदाई समारोह की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में छात्र फिर से वहां जुट गए। हंगामे की आशंका से कुलपति आवास के बाहर पहले से पीएसी, तीन थानों की फोर्स और सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया गया था। पुलिस ने एमएमवी चौराहे से लैकर इंटरनेशनल हॉस्टल चौराहे पर बैरिकेटिंग कर दी थी।

छात्रों ने की कुलपति का पुतला फूंकने की कोशिश



वाराणसी (एसएनबी)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के 28 वें कुलपति प्रफेसर सुधीर कुमार जैन का कार्यकाल सोमवार को समाप्त हो गया। जहां एक और विश्वविद्यालय के शिक्षक और अधिकारी कुलपति को विदाई दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर छात्रों ने वीसी आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य छात्रों को रोकने में लगे हुए थे। महील बिंगड़ने की आशंका के महेनजर पुलिस भी बुला ली गयी। इस बीच आवास के बाहर दर्जनों की संख्या में छात्रों ने कुलपति का प्रतीकात्मक पुतला जलाने का प्रयास किया, जिसे रोकने

कुलपति की तस्वीर भी जलायी

के लिए प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य तैनात थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों और प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम के बीच दौड़-धूप का माहौल बना, जिससे अफरातफरी का दृश्य उत्पन्न हो गया। नाराज छात्रों ने वीसी आवास के बाहर धरना दिया और कुलपति की तस्वीर जलाकर विरोध जताया। उनका कहना था कि कुलपति ने अपने तीन साल के कार्यकाल में छात्रों के हित में कोई भी महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाया। योएसडी प्रवेश प्रक्रिया पर भी कोई निर्णय नहीं लिया गया, जो

छात्र विरोध में थे, उन्हें विश्वविद्यालय से निकाल दिया गया। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि वीसी के कार्यकाल के दौरान पहली बार इसी का गठन भी नहीं हुआ। इस बीच लंका थाना प्रभारी शिवाकांत पिंश मौके पर पहुंच गये और छात्रों को समझा कर शांत कराया। छात्रों के आक्रोश को देखते हुए पूरे विश्वविद्यालय परिसर में प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम को अलर्ट मोड में रखा गया है। सेंट्रल ऑफिस में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की चेकिंग की जा रही है, और वीसी कार्यालय के बाहर सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है।

देर शाम तीन थानों की फोर्स ने संभाली कमान

कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के ३
विदाइ में किसी तरह का विघ्न न होने
पाए इसे लेकर सुरक्षा कर्मियों द्वारा
वीरी लॉज समेत अन्य प्रमुख स्थानों
पर बैरिफेंडिंग की गई। इहाना ही नहीं,
वीफ प्रावटर स्टेच सुरक्षाकर्मियों के
साथ मुस्तैद रहे। कुलपति आवास को
भी सुरक्षाकर्मियों ने अपने धरे में ले
लिया था। देर शाम परिसर में तीन
थानों भेलपुर, लंका और चितड़ीपुर की
फोर्स ने कमान संभाल लिया। सुबह
के विरोध को देखते हुए कुलपति
आवास की सुरक्षा व्यवस्था काफी
तगड़ी कर दी गई। छात्र जब कुलपति
आवास पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन
कर रहे थे, इस दौरान छात्रों ने यह
घोषणा की थी कि पांच बजे हम लोग
वीरी का निकलने नहीं देंगे और
उनका विरोध करेंगे। इसे देखते हुए
कुलपति आवास के चारों ओर चार सो
मीटर तक रास्ता बंद कर दिया गया।
किसी को भी इधर से जाने की
अनुमति नहीं दी गई। छात्रों के
आक्रोश को देखते हुए पूरे
विश्वविद्यालय कैंपस में प्रावटोरियल
बोर्ड की टीम अलर्ट मोड रही। सेंट्रल
ऑफिस के अंदर जो भी प्रवेश कर
रहा था, उसकी चेकिंग की जा रही
थी।

କାନ୍ତିର ପଦମାଲା

कार्यकाल के अंतिम दिन छात्रों ने बीएचयू वीसी पर लगाए गंभीर आरोप, की नारेबाजी

ପିଲା

छत्रों के हांगमे के बाद परिसर की सुरक्षा सख्त, तीन थानों की प्रबोक्स त्रै संभाली कम्हन

विवरणात्मकी। काशी हिंदू विवरणात्मकी
में भी कुलपति परे, सुधारु कुमार उनके
पालकाकालका के अंतिम दिन सोमवार को छात-
सुखद मृत्यु कुलपति को छात-
जाताओं के जातारा विधाय का सामना
करना पड़ा। अवश्यकता तांत्रों ने विशेष
करके कलाना पड़ा। अवश्यकता की पूर्ति
एवं अर्थात् नारायण की पूर्ति दर्शन
के बाहर ही दर्शन की गयी। तब विशेष
करके कलाना पड़ा। अवश्यकता के
लालों के बीच इन्द्रपति
का जन्म आया। इस दैवी विशेष
करके कलाना पड़ा। अवश्यकता के
लालों के बीच इन्द्रपति
का जन्म आया। इस दैवी विशेष
करके कलाना पड़ा। अवश्यकता के
लालों के बीच इन्द्रपति
का जन्म आया। अपना विशेष दर्शन किया



卷之三

बीएचयू में 1,540 सीटों पर होगा पीएचडी में प्रवेश, 200 सीटें बढ़ीं

विलंबित हुई प्रवेश प्रक्रिया, 16 संकायों में 140 मुख्य विषय उपलब्ध

जागरण संवाददाता, गारणसी : करीब दो महीने विलंबित पीएचडी बुलेटिन सोमवार को घोषित कर दिया गया। इस बार विवि स्टर से कोइ परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। नेशनल ट्रेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा परिणाम के आधार प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सत्र 2024-25 के लिए सूचना बुलेटिन और आवेदन पत्र सोमवार से बीएचयू पोर्टल पर उपलब्ध है। वर्तमान सत्र के लिए विवि के 16 संकायों के 140 मुख्य विषयों में कुल 1540 सीटें उपलब्ध हैं, पिछले वर्ष की तुलना में इस बार करीब 200 सीटों में इजाफा हुआ है। इस सत्र के लिए बीएचयू के संबद्ध चार कालेजों के लिए 124 सीटें विज्ञापित की गई हैं। विश्वविद्यालय 21 जनवरी तक आनलाइन आवेदन स्वीकार करेगा। मार्च के अंतिम सप्ताह तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाएगी।

अनुसंधान प्रवेश परीक्षा-छूट (आर्डी-छूट) के द्वारे में वे अभ्यर्थी ही आएंगे, जिन्होंने यूजीसी, सीएसआइआर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) या किसी अन्य राष्ट्रीय एजेंसी की जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के लिए अंतिम प्राप्त की हो। अभ्यर्थियों को 100 प्रतिशत वेटेज के साथ साक्षात्कार में उपस्थित होना होगा



21 जनवरी तक मार्गे गए आवेदन, मार्च के अंतिम सप्ताह में खत्म हो जाएगी प्रक्रिया।

और उनको चयन साक्षात्कार में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। हालांकि जिन अभ्यर्थियों को यूजीसी, सीएसआइआर परीक्षा में लेक्चररशिप व असिस्टेंट प्रोफेसरशिप (जेआरएफ के बिना) प्रदान की गई है, यूजीसी व सीएसआइआर नेट परीक्षा के आधार पर कोई अन्य फेलोशिप प्रदान की गई है और डीएसटी इंसायर फेलो हैं, वे प्रवेश की इस पद्धति के अंतर्गत पात्र नहीं हैं। अभ्यर्थियों को दस्तावेजों के भौतिक सत्यापन के समय वैध जेआरएफ प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा उनकी उम्मीदवारी रद कर दी जाएगी। अनुसंधान प्रवेश परीक्षा (आर्डी) के अंतर्गत यूजीसी व सीएसआइआर और एसआरबी की नेट परीक्षा जून 2024 व एआरएसबी परीक्षा 2024 के अंतर्गत का उपयोग करके पीएचडी कार्यक्रमों

अंत : विषयक अनुसंधान के लिए अभ्यर्थी के पास संबद्ध विषय का विकल्प

अत विषयक अनुसंधान के लिए अभ्यर्थी के पास संबद्ध विषय में भर्ती होने का विकल्प होगा, यदि वह संबंधित मुख्य विषय के आर्डी-छूट प्राप्त व आर्डी मोड में पात्र है। अभ्यर्थी अपने मुख्य विषय के अंतिरिक्त संबद्ध विषयों के लिए अधिकतम चार विकल्प घुन सकते हैं। आवेदन जमा करते समय आवेदन पत्र में विकल्प व वरीयता का वर्णन किया जाना चाहिए। प्रवेश के समय विकल्प व वरीयता में परिवर्तन के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

में प्रवेश के लिए पात्र उम्मीदवारों के लिए भी आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जेआरएफ योग्य उम्मीदवार, जेआरएफ के बिना सहायक प्रोफेसर के लिए योग्य उम्मीदवार और वे अभ्यर्थी जो न तो जेआरएफ के लिए योग्य हैं और न ही सहायक प्रोफेसर के लिए, लेकिन केवल पीएचडी में प्रवेश के लिए पात्र हैं।

कृषि विज्ञान संस्थान में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए कृषि सेवा भर्ती बोर्ड परीक्षा 2024 के नेट स्कोर का उपयोग किया जाएगा।

बीएचयू में 1540 सीटों पर मिलेगा पीएचडी में एंट्रेंस, 200 सीटें बढ़ीं

करीब दो महीने विलंबित हुई प्रवेश प्रक्रिया, 16 संकायों में 140 मुख्य विषय उपलब्ध

VARANASI (6 Jan): करीब दो महीने विलंबित पीएचडी बुलेटिन सोमवार को घोषित कर दिया गया। इस बार विवि स्तर से कोई परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एटीए) की परीक्षा परिणाम के आधार प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सत्र 2024-25 के लिए सूचना बुलेटिन और आवेदन पत्र सोमवार से बीएचयू पोर्टल पर उपलब्ध है। वर्तमान सत्र के लिए विवि के 16 संकायों के 140 मुख्य विषयों में कुल 1540 सीटें उपलब्ध हैं, पिछले वर्ष की तुलना में इस बार करीब 200 सीटों में इजाफा हुआ है। इस सत्र के लिए बीएचयू के संबद्ध चार कालेजों के लिए 124 सीटें विज्ञापित की गई हैं। विश्वविद्यालय 21 जनवरी तक आनलाइन आवेदन स्वीकार करेगा। मार्च के अंतिम सप्ताह



अंतःविषयक अनुसंधान के लिए अभ्यर्थी के पास संबद्ध विषय का विकल्प

अंतःविषयक अनुसंधान के लिए अभ्यर्थी के पास संबद्ध विषय में भर्ती होने का विकल्प होगा, यदि वह संबंधित मुख्य विषय के आरईटी-छूट प्राप्त व आरईटी भौंड में पात्र है। अभ्यर्थी अपने मुख्य विषय के अतिरिक्त संबद्ध विषयों के लिए अधिकतम घर विकल्प दुन सकते हैं। आवेदन जमा करते समय आवेदन पत्र में विकल्प व वरीयता का चयन किया जाना चाहिए। प्रवेश के समय अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

सीएसआइआर नेट परीक्षा के आधार पर कोई अन्य फेलोशिप प्रदान की गई है और डीएसटी इंस्पायर फेलो हैं, वे प्रवेश की इस पद्धति के अंतर्गत पात्र नहीं हैं। कृषि विज्ञान संस्थान में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए कृषि सेवा भर्ती बोर्ड परीक्षा 2024 के नेट स्कोर का उपयोग किया जाएगा।

पीएचडी : 1540 सीटों पर 21 जनवरी तक आवेदन, 15 फरवरी को रिजल्ट

52

बीएचयू : जेआरएफ का सिर्फ इंटरव्यू और अन्य का नेट और इंटरव्यू दोनों आधार पर होगा चयन

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी/झांसी। ढाई महीने के इंतजार के बाद बीएचयू ने 2024-25 सत्र में पीएचडी प्रवेश का बुलेटिन जारी कर दिया है। 140 विषयों में 1540 सीटों पर ऑनलाइन आवेदन सोमवार से शुरू हो गए हैं।

आवेदन की अंतिम तिथि 21 जनवरी है। सामान्य, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी अभ्यर्थियों को फॉर्म भरने के लिए 600 रुपये और एसी व एसटी को 300 रुपये ऑनलाइन देने होंगे। अभ्यर्थी क्रेडिट और डेबिट कार्ड से भुगतान कर सकते हैं।

आईटी और आईटी एंजिनियरिंग दो वर्गों में विभागवार सीटों का विवरण जारी किया गया है। इस साल और वर्तमान सत्र में जेआरएफ क्वालिफाइड अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

नेट और पीएचडी के लिए क्वालिफाइड अभ्यर्थियों को आईटी के तहत प्रवेश दिया जाएगा। 24 जून के विज्ञापन में नेट परीक्षा दिए अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। 27 जनवरी से 12 फरवरी के बीच 16 दिन तक डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और इंटरव्यू होंगे। 15 फरवरी को रिजल्ट घोषित होंगा। 6 पांच मार्च तक एडमिशन की प्रक्रिया पूरी होगी। 6

300-600

रुपये तक हैं फॉर्म, 27 जनवरी से 12
फरवरी के बीच होंगे इंटरव्यू

मार्च को प्रवेश की प्रक्रिया बंद हो जाएगी। 17 मार्च को पीएचडी में प्रवेश पा चुके शोध छात्र और छात्राओं को विभागों में रिपोर्ट करना होगा। सबसे ज्यादा 75 सीटें भौतिक विज्ञान विभाग को दी गई हैं। रसायन विभाग को 70, शिक्षा संकाय को 52, इतिहास विभाग को 43 और भूगोल को 38 सीटें मिली हैं।

पत्रकारिता विभाग में 10 सीटों पर प्रवेश होगा। बीएचयू के चारों संबद्ध कॉलेजों के 124 सीटों पर प्रवेश होगा। बीएचयू ने एनटीए के साथ एक एमओयू किया है। इसके तहत एनटीए ने नेट-जेआरएफ और पीएचडी के लिए योग्य अभ्यर्थियों का डेटा बीएचयू भेज दिया है। जब अभ्यर्थी पीएचडी का फॉर्म भरेंगे तो उनका स्कोर अपने आप भरेगा। ये डेटा फॉर्म में ही फीड कर दिया है। इससे अभ्यर्थी फॉर्म में नेट-जेआरएफ का गलत स्कोर नहीं भर पाएगा और फर्जीवाड़ा रुकेगा।

नेट स्कोर को 70 और इंटरव्यू को 30 फीसदी मिलेगा वेटेज

आईटी मोड में फॉर्म भरने वाले अभ्यर्थियों को पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के लिए नेट-जेआरएफ के स्कोर का 70 फीसदी और इंटरव्यू का 30 फीसदी वेटेज होगा। वहीं, जेआरएफ अभ्यर्थियों का चयन इंटरव्यू के आधार पर होगा। इंटरव्यू के स्कोर का ही 100 फीसदी वेटेज दिया जाएगा। ज्यादा डिटेल बीएचयू ऑनलाइन पोर्टल पर दिए 35 पेज की बुलेटिन में है।

18 अक्टूबर को आया था रिजल्ट

पिछले साल 24 जून को नेट-जेआरएफ परीक्षा का नोटिफिकेशन आया था। रिजल्ट बीते साल 18 अक्टूबर को जारी हुआ था। इसी के बाद बीएचयू में पीएचडी आवेदन को लेकर तैयारी शुरू हो गई थी। छात्रों के विरोध, मध्यस्ता, नेट-जेआरएफ रिजल्ट का डेटा प्राप्त करने के लिए एनटीए के साथ एमओयू और बीएचयू के कुलपति की अनुपाती और परीक्षा नियन्त्रक बदलने से आवेदन की प्रक्रिया में ढाई महीने की देरी हो गई।

15% सीटों पर विदेशी छात्रों को प्रवेश

विदेशी नागरिकों को पीएचडी में प्रवेश के लिए नेट-जेआरएफ की परीक्षा के स्कोर की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, जारी बुलेटिन में विदेशी छात्रों के प्रवेश के लिए सात शर्तें रखी गई हैं। सरकार द्वारा नामित विदेशी नागरिकों को ही आवेदन का मौका दिया जाएगा। प्रवेश स्कॉलरशिप योजनाओं और सेल्फ फाइनेंस फैरैन नेशनल स्कीम के तहत लिया जाएगा। योग्यता में किसी भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय या संस्थान से पोस्ट ग्रेजुएशन या इसके समकक्ष योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

21 तक कर सकेंगे पीएचडी के लिए आवेदन

अधिसूचना जारी

वाराणसी, बिरिच्छा संबद्धता। छात्रों के लंबे इंतजार के बाद बीएचयू ने सोमवार की जून-2024 के पीएचडी प्रवेश की अधिसूचना सोमवार को जारी कर दी। यूजीसी के निवेश के बाद बीएचयू इस बार रिसर्च एंट्रेस टेस्ट (रेट) नहीं कराएगा। इस श्रेणी में उन छात्रों का प्रवेश लिया जाएगा जो एनटीए की नेट परीक्षा में पीएचडी के लिए अहं घोषित किए गए हैं। पीएचडी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 21 जनवरी तक चलेगी।

बीएचयू में इस बार 16 संकायों के 140 विभागों में पीएचडी की 1540 सीटें पर प्रवेश लिए जाएंगे। खास यह कि इस बार संबद्ध कॉलेजों में भी विभिन्न विषयों में 124 सीटों पर शोध कराया जाएगा।

एनटीए की तरफ से अर्ड छात्रों की सूची मिलने में देरी के कारण जून-2024 के प्रवेश जनवरी में

शुरू हो सके हैं। प्रवेश प्रक्रिया और साक्षात्कार के बाद मार्च में शोध छात्रों की रिपोर्टिंग रखी गई है। बीएचयू ने इस साल से यूजीसी के निवेशानुसार रिसर्च एंट्रेस टेस्ट भी बंद कर दिया है। रेट एंजमेंट श्रेणी में, इस बार जेआएफ, आईसीएमआर, डीबीटी और अन्य एजेंसियों से सफल फेलो को रखा गया है। रेट श्रेणी के अभ्यर्थियों में 2024 से पहले जेआएफ, असिस्टेंट प्रोफेसर, एप्रिकल्चर सर्विस रिक्टमेंट बोर्ड से सफल अभ्यर्थी और एनटीए के अंकों के आधार पर पीएचडी के लिए अहं घोषित अभ्यर्थियों को रखा जाएगा।

बीएचयू की तरफ से घोषित प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत छात्रों का साक्षात्कार लिया जाएगा। नेट परीक्षा के अंकों का 70 प्रतिशत और साक्षात्कार का 30 प्रतिशत मिलाकर मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके बाद प्रवेश लिए जाएंगे। छात्रों की आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू कर दी गई है।

21 जनवरी तक कर सकेंगे पीएचडी के लिए आवेदन

बीएचयू

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। छात्रों के लंबे इंतजार के बाद बीएचयू ने समवार को जून-2024 के पीएचडी प्रवेश की अधिसूचना सोमवार को जारी कर दी। यूजीसी के निर्देश के बाद बीएचयू इस बार रिसर्च पटेंस टेस्ट (रेट) नहीं कराएगा। इस श्रेणी में उन छात्रों का प्रवेश लिया जाएगा जो एनटीए की नेट परीक्षा में पीएचडी के लिए अर्ह घोषित किए गए हैं।

पीएचडी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 21 जनवरी तक चलेगी।

बीएचयू में इस बार 16 संकायों के 140 विभागों में पीएचडी की 1540 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। खास यह कि इस बार संबद्ध कॉलेजों में भी

- 1540 सीटों पर प्रवेश के लिए शुरु हुए ऑनलाइन आवेदन
- बीएचयू रेट से डिमिशन बंद, एनटीए के अंकों पर होगा दाखिला

पीएचडी प्रवेश में कब क्या होगा

ऑनलाइन आवेदन

प्रफ़्रेंसी की जांच और साक्षात्कार

परिणाम की घोषणा और प्रवेश

प्रवेश की अंतिम तिथि

दिमाग में रिपोर्टिंग

6 जनवरी से 21 जनवरी 2025

27 जनवरी से 12 फरवरी 2025

15 फरवरी से 5 मार्च 2025

6 मार्च 2025

17 मार्च 2025

विभिन्न विषयों में 124 सीटों पर शोध

कराया जाएगा।

एनटीए की तरफ से अर्ह छात्रों की सूची मिलने में देरी के कारण जून-2024 के प्रवेश जनवरी में शुरू हो सके हैं। प्रवेश प्रक्रिया और साक्षात्कार के बाद मार्च में शोध छात्रों की रिपोर्टिंग

रखी गई है। बीएचयू ने इस साल से यूजीसी के निर्देशानुसार रिसर्च पटेंस टेस्ट भी बंद कर दिया है। रेट एजमेंट बोर्ड में इसके अभ्यर्थी और एनटीए के अंकों के आधार पर पीएचडी के लिए अर्ह घोषित अध्यार्थियों को रखा जाएगा।

बीएचयू की तरफ से घोषित प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत छात्रों का साक्षात्कार

डीएवी कॉलेज में सबसे ज्यादा सीटें

6

महाविद्यालय राजस्थान में 25 सीटों पर पीएचडी कराई जाएगी। कमच्छा स्थित वस्त क्षया महाविद्यालय को 27 और आर्यमहिला यौवनी कॉलेज को 20 सीटें ही गई हैं। उन्हें कॉलेजों से इतर राजीव गांधी दक्षिणी परिसर बरकछा में दो सीटों और बीएचयू स्थित महिला महाविद्यालय में 30 सीटों पर पीएचडी कराई जाएगी।

लिया जाएगा। नेट परीक्षा के अंकों का 70 प्रतिशत और साक्षात्कार का 30 प्रतिशत मिलाकर मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके बाद प्रवेश लिए जाएंगे। छात्रों की आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू कर दी गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 21 जनवरी निर्धारित की गई है।

सीनियर नेशनल टीम
में बीएचयू के तीन ४४
विद्यार्थियों का चयन

जागरण संवाददाता, वाराणसी :
बीएचयू की सामाजिक विज्ञान सकाय
की प्रथम वर्ष की छात्रा अदिती सिंह
(राष्ट्रीय वालीबाल खिलाड़ी) और
सामाजिक विज्ञान संकाय प्रथम वर्ष
के छात्र अनुज कुमार सिंह
(अंतर्राष्ट्रीय वालीबाल खिलाड़ी) का
चयन बिहार राज्य की सीनियर
नेशनल टीम में हुआ। ये दोनों बिहार
की टीम का प्रतिनिधित्व सीनियर
नेशनल चैम्पियनशिप में करेंगे।
सामाजिक विज्ञान संकाय प्रथम वर्ष
के छात्र राजेश सिंह (राष्ट्रीय
वालीबाल खिलाड़ी) का चयन
छत्तीसगढ़ की सीनियर नेशनल टीम
में हुआ है और राजेश छत्तीसगढ़ टीम
का प्रतिनिधित्व सीनियर नेशनल
चैम्पियनशिप में करेंगे। सीनियर
नेशनल चैम्पियनशिप सात से 13
जनवरी 2025 तक जयपुर
राजस्थान में होगी। वर्तमान में तीनों
छात्र विवि के सहायक निदेशक डा.
रोबिन कुमार सिंह के संरक्षण में
प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

वॉलीबॉल : नेशनल खेलेंगे बीएचयू के 3 खिलाड़ी

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन सीनियर नेशनल वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए बिहार की टीम में हुआ है। इसमें एक छात्र और दो छात्र हैं। सीनियर नेशनल टीम



अदिति। स्वर्ण



राजेश। स्वर्ण



अनुज। स्वर्ण

में चयनित खिलाड़ियों को विवि क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. बीसी कापरी ने शुभकामनाएं दी। बताया कि सामाजिक विज्ञान संकाय में प्रथम वर्ष की छात्र और राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी अदिति सिंह और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अनुज कुमार सिंह का चयन सीनियर नेशनल टीम में हुआ है। सामाजिक विज्ञान संकाय के प्रथम वर्ष के छात्र और राष्ट्रीय खिलाड़ी राजेश सिंह का चयन छत्तीसगढ़ की टीम में हुआ है। सीनियर नेशनल चौंपयनशिप 7 से 13 जनवरी राजस्थान के जयपुर में खेली जाएगी। व्यूरो ३२

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के ५२ लिए आदित्य क्वालिफाई

वाराणसी। पावरलिपिटंग में बीएचयू के छात्र आदित्य तिवारी ने स्वर्ण पदक जीता है। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के



आदित्य।

महासचिव प्रो.
बीसी कापरी
ने बताया है
कि बैचलर
ऑफ
वॉकेशनल
स्टडीज
(होटल
मैनेजमेंट) के

छात्र आदित्य ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश स्टेट पावरलिपिटंग चौंपयनशिप में स्वर्ण जीतकर राष्ट्रीय पावरलिपिटंग प्रतियोगिता में जगह बनाई। कोच डॉ. प्रमोद यादव की देखरेख में आदित्य शिवाजी हॉल में

अभ्यास करते हैं। संवाद



राजेश सिंह

अदिति सिंह

अनुज कुमार सिंह

वॉलीबॉल : सीनियर नेशनल खेलेंगे बीएचयू के 3 खिलाड़ी

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन सीनियर नेशनल वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए बिहार की टीम में हुआ है। इसमें एक छात्रा और दो छात्र हैं।

सीनियर नेशनल टीम में चयनित खिलाड़ियों को विवि क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. बीसी कापरी ने शुभकामनाएं दीं। बताया कि सामाजिक विज्ञान संकाय में प्रथम वर्ष की छात्रा और राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी अदिति सिंह और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अनुज

कुमार सिंह का चयन सीनियर नेशनल टीम में हुआ है। सामाजिक विज्ञान संकाय के प्रथम वर्ष के छात्र और राष्ट्रीय खिलाड़ी राजेश सिंह का चयन छत्तीसगढ़ की टीम में हुआ है।

सीनियर नेशनल चैपियनशिप 7 से 13 जनवरी राजस्थान के जयपुर में खेली जाएगी। तीनों परिषद के सहायक निदेशक डॉ. रोबिन कुमार सिंह की देखरेख में प्रशिक्षण लेते हैं। चयन पर सचिव प्रो. अर्चना सिंह, प्रो. संजीव ने खुशी जताई।

बीएचयू के 3 खिलाड़ी सीनियर नेशनल टीम में

वाराणसी। बीएचयू के तीन खिलाड़ियों का चयन वॉलीबॉल की सीनियर नेशनल टीम में हुआ है। इनमें सामाजिक विज्ञान संकाय की प्रथम वर्ष की छात्रा अदिती सिंह और अनुज कुमार सिंह का चयन बिहार राज्य की सीनियर नेशनल टीम में हुआ है। संकाय के ही राजेश सिंह का चयन छत्तीसगढ़ राज्य की सीनियर नेशनल टीम में हुआ है। यह खिलाड़ी 7 से 13 जनवरी तक जयपुर में होने वाली सीनियर नेशनल प्रतियोगिता में अपनी टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

काशी के प्रकाश पर 'विजय' का प्रयास

वाराणसी, मुख्य संकाय का अर्थ है ज्ञान का प्रकाश को काशी के एक विद्यालय संहार के शाश्वत में अपनी चित्रकृति दी है। वह चित्रकार कला संकाय के प्रो.

उनके चित्रों की गिरजाघर स्थित जोग गैलरी में कला प्रशंसन का केंद्र बनी हुई है उन्होंने 'चित्रभूमि ब्रिटिश पेनडंक, पीले से तैयार इस चित्र गंगा तट पर सूजन साथ दिखने वाले को प्रतीकात्मक रू

किया है। अरुणोदय पर जो रंग मरियों

'चित्रभूमि काशी' में झलक रहा सूजन भी, संहार भी 3

बीएचयू के दृश्य कला संकाय के प्रोफेसर विजय सिंह के चित्रों की प्रदर्शनी 'चित्रभूमि काशी' इन दिनों कला प्रेमियों के बीच चर्चा का केंद्र बनी हुई है। गिरजाघर स्थित जोगई बनारस-द आर्ट गैलरी में उनके 25

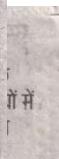


चित्रों का प्रदर्शन जारी है। उनके द्वारा तैयार की गई चित्रकृतियों में सूजन और संहार के विरोधाभासी दृश्य एक साथ दिखाई देते हैं। ब्रिटिश पेनडंक, पीले और जेगिया रंगों से तैयार इस चित्र शृंखला में उन्होंने गंगा तट पर सूजन और संहार के एक साथ दिखने वाले विरोधाभासी दृश्यों को प्रतीकात्मक रूप से अभिव्यक्त किया है। अरुणोदय काल में गंगा तट पर जो रंग मरियों और ऐतिहासिक इमारतों पर दृश्य होता है वही रंग हरिश्चंद्र और मणिकर्णिका धाट पर जलती चित्राओं से भी निकलता है। एक ही रंग अलग-अलग समय में सूजन और संहार का प्रतीक बन जाता है। प्रोफेसर विजय सिंह कहते हैं यही काशी का शाश्वत प्रकाश है। कभी मैं भोर में गंगा किनारे जाकर बैठता हूँ। कभी संध्या बेला में मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र धाट पर ठहर जाता हूँ। उस समय जो अनुभूतियां होती हैं उन्हें ही मैंने अपने चित्रों में दिखाने का प्रयास किया है। दिखने वाले को एक ही चित्र में एक तरफ सूजन की संभावनाएं और संहार का सार दोनों ही दृष्टिगत होता है। यह प्रदर्शनी ११ जनवरी तक सुबह साढ़े दस से शाम साढ़े सात बजे तक जनसमाचार के लिए अवलोकनार्थ खुली रहेगी।

आर्ट गैलरी में कला प्रशंसकों के बीच चर्चा का केंद्र बनी हुई है।



हूँ। उस समय जो उन्हें ही मैंने अपने प्रयास किया है। चित्र में एक तरफ और संहार का गत होता है। यह तक सुबह साढ़े तक बजे तक खुली



बीएचयू वाणिज्य संकाय में व्याख्यान आज ४

वाराणसी। बीएचयू के वाणिज्य संकाय द्वारा सात जनवरी 2024 को ठाकुर रत्नपाल सिंह की स्मृति में विकसित भारत (@2047 : प्रबंधकीय अवसर एवं चुनौतियां शीर्षक मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया गया है। वाणिज्य संकाय प्रमुख प्रो. एचके सिंह ने बताया कि, वाणिज्य संकाय जिस भवन में स्थित है उस भवन के निर्माण में महामना मदन मोहन मालवीय जी का अहम सहयोग करने वाले अनन्य सहयोगी, महान व्यक्तित्व के धनी, दानवीर ठाकुर रत्नपाल सिंह जी की स्मृति में मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन हो रहा है। आयोजक प्रो. प्रियंका गीते ने बताया कि, मेमोरियल व्याख्यान को मुख्य वक्ता के रूप में अब्दुल कलाम तकनीकी विविलखनऊ के पूर्व कुलपति प्रो. डीएस चौहान, विशिष्ट वक्ता के रूप में दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय गया के पूर्व प्रति कुलपति प्रो. ओणी राय, बीएचयू के वरिष्ठ शिक्षाविद् सह साहित्यकार प्रोफेसर सदानंद साही संबोधित करेंगे। अध्यक्षता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी. नाग करेंगे।

कुलपति के खिलाफ प्रो.ओमशंकर ने दी तहरीर

6

वाराणसी। बीएचयू के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रो. ओमशंकर ने शनिवार को थाने में बीएचयू के कुलपति के खिलाफ तहरीर दी है। इसमें उहोने कार्डियोलॉजी विभाग में बैड, इंस्टीट्यूट ऑफ इमिनेस, आयुष्मान योजना, नियुक्तियों, प्रमोशन सहित अन्य मुद्दे का जिक्र किया है। प्रो. ओमशंकर ने कहा कि अगर मुकदमा दर्ज नहीं होता है तो प्रधानमंत्री को भी पत्र लिखूँगा।

बीएचयू कुलपति व एमएस के खिलाफ दी तहरीर V

जासं, वाराणसी : बीएचयू के कार्डियोलॉजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डा. ओमशंकर ने सोमवार को लंका थाने पर तहरीर दी है। कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन, सर सुंदरलाल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. कैलाश कुमार, कार्डियोलॉजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. धर्मेन्द्र जैन और कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसवीएस राजू के खिलाफ भ्रष्टाचार और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। कहा कि आईएमएस निदेशक प्रो. एसएन संख्वार के आदेश के बाद भी खाली बिस्तर मरीजों को नहीं दिए जा रहे हैं। अस्पताल के सैकड़ों बिस्तरों पर जबरन ताला लगाकर बंद रखा गया है। इंस्टीट्यूट आफ एमिनेस योजना से आवंटित एक हजार करोड़ का दुरुपयोग किया गया।

सिविल कोर्ट भर्ती परीक्षा में बीएचयू से पकड़े गए सॉल्वर के दो साथी गिरफ्तार

53

अभ्यर्थी और गिरोह के सरगना सहित अन्य की गिरफ्तारी के लिए प्रयागराज में पुलिस की दबिश जारी

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सिविल कोर्ट स्टाफ केंद्रीकृत भर्ती 2024-25 की परीक्षा में केंद्रीय विद्यालय बीएचयू से पकड़े गए सॉल्वर के दो साथियों को सोमवार को लंका थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया। दोनों की पहचान बिहार के नालंदा जिले के सिंगारहाट सोरसराय के आशीष रंजन कुमार उर्फ पृष्ठ और झारखण्ड के गिरिर्दीह जिले के तिसरी के पवन कुमार के रूप में हुई है।

दोनों के पास से एक लैपटॉप, तीन मोबाइल फोन, ऑफिसआर शीट, आधार कार्ड, पैन कार्ड और कर्जी प्रवेश पत्र की प्रतियां बरामद हुई हैं। प्रकरण में अभ्यर्थी और सॉल्वर गिरोह के सरगना व उसके साथियों की तलाश में लंका थाने की पुलिस की दो टीमें प्रयागराज में दबिश दे रही हैं।

केंद्रीय विद्यालय बीएचयू में शनिवार को उत्तर प्रदेश सिविल कोर्ट स्टाफ केंद्रीकृत भर्ती 2024-25 की परीक्षा



गिरफ्तार आरोपी। शोत-पुलिस

दो सॉल्वर और एक अभ्यर्थी जेल भेजे गए

यूपी सीसीएससीआर परीक्षा में गविवार को लालपुर पाडेयपुर और रोहनिया थाने की पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए दो सॉल्वर और एक अभ्यर्थी का चालान किया गया। लालपुर पाडेयपुर थाने की पुलिस द्वारा गिरफ्तार सॉल्वर के नेवादा जिले के ढाई बीघा गांव निवासी शुभम कुमार के पास से कर्जी पैन कार्ड और अभ्यर्थी ओम पाडेय के नाम का प्रवेश पत्र बरामद हुआ है। रोहनिया थाने की पुलिस द्वारा गिरफ्तार बिहार के मुंगेर जिले तिलकारी गांव के विनीत कश्यप और प्रयागराज के सराय गोपाल भद्री गांव के मंजीत पटेल के पास से दो प्रवेश पत्र और एक कर्जी पैन कार्ड बरामद हुआ है। विनीत प्रयागराज के अभ्यर्थी अंजनी प्रताप की जगह परीक्षा दे रहा था। मंजीत की जगह सॉल्वर परीक्षा देकर जा चुका था।

अयोजित थी। बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान पता लगा कि प्रयागराज के मदन मोहन मालवीय रोड का रहने वाला मनीष कुमार अभ्यर्थी है। मगर, उसकी जगह झारखण्ड के गिरिर्दीह जिले के तिसरी का सौरभ कुमार परीक्षा दे रहा था। सौरभ को गिरफ्तार कर लंका थाने की पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने आशीष और पवन के बारे में बताया।

एडीसीपी काशी जोन सरवणन टी ने बताया कि लंका थानाध्यक्ष शिवाकात मिश्र के नेवृत्त में बीएचयू चौकी प्रभारी शिवाकात

लिए परीक्षार्थी खोजने और सॉल्वर लाने का काम आठ-नौ लोग करते हैं। परीक्षार्थी से एक लाख रुपये परीक्षा के पहले कार्ड पर नाम और फोटो एडिट कर सॉल्वर को बैठाते हैं। दो लोगों की फोटो को मिक्स कर उसे एडिट किया जाता है। एडिटिंग ऐसी की जाती है कि जो सामने रहता है, फोटो उसी की प्रतीत होती है।

प्रयागराज का है सरगना, 3.5 लाख में तय होता था सोदा : आशीष और पवन ने पुलिस को बताया कि उनके गिरोह का सरगना प्रयागराज का है। गिरोह के

महिला का पर्स गायब, पुलिस ने लौटाया २

वाराणसी : सर सुंदर लाल
चिकित्सालय बीएचयू में ससुर का
इलाज कराने सोमवार को आई
बिहार के रोहतास की रहने वाली
प्रियंका कुमारी का पर्स गुम हो
गया। लंका थाने में तैनात दारोगा

ओमप्रकाश को मिला। पर्स में मिले
महिला के आधार कार्ड के आधार पर
लंका थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्र ने
महिला की तेलाश करके उसे पर्स
सौंप दिया। पर्स में 46 हजार थे जिसे
पाकर वह काफी खुश थी। (संसू)